



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 19] नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 13, 1984/माघ 24, 1905  
No. 19] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 13, 1984/MAGHA 24, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## वाणिज्य मंत्रालय

### आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 1984

सार्वजनिक सूचना सं०-9आई.टी.सी (पी.एन.)/84

विषय :—आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट, 1983 के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र के आयातों के लिए लाइसेंस शर्तें।

(मिलिस सं० आई.पी.सी./23/(1) 84.—आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1983 के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र के आयातों के लिए वे शर्तें जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, जानकारी के लिए अधिसूचन की जानी हैं।

प्रकाशचंद जैन, मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० 9 आई.टी.सी (पी.एन.)/84 दिनांक 13 फरवरी के लिए परिशिष्ट

आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1983 के अंतर्गत निजी क्षेत्र और सार्वजनिक क्षेत्र के आयातों के लिए लाइसेंस जारी करने के लिए शर्तें।

1. लाइसेंस 12 मास की प्रारम्भिक वैधता अवधि के लिए जारी किए जाएंगे किन्तु आस्ट्रियन संभरकों को पक्के आदेश

लागत बीमा भाड़ा/लागत तथा भाड़ा के आधार पर दिए जाने चाहिए और इनकी प्रतियां आयात लाइसेंस जारी करने की तारीख से चार मास की अवधि के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग को भेजी जाए। "पक्के लाइसेंस" का अर्थ है वह क्रय आदेश जो भारतीय लाइसेंस धारी द्वारा विदेशी संभरक को दिया गया हो और उसके साथ बाद वाले से पुष्टि पत्र भी लगाया गया हो या वह क्रय आदेश जो भारतीय लाइसेंसधारी और विदेशी संभरक दोनों के द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हो। यदि पक्के आदेश चार मास की निर्धारित अवधि के भीतर नहीं दिए जा सकते हैं तो लाइसेंसधारी को जैसा भी मामला हो, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (सी०सी०आई० एण्ड ई०) या अन्य लाइसेंस प्राधिकारी को आदेश देने में समय वृद्धि के लिए सुझाव भेजना चाहिए और उस सुझाव में उसे यह औचित्य भी देना चाहिए कि प्रारम्भिक वैधता अवधि के भीतर आदेश क्यों नहीं दिए जा सके। आदेश देने की अवधि में समय वृद्धि से सम्बद्ध ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर विचार किया जाएगा और वे अधिक से अधिक दो मास तक की और समय वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन, यदि समय वृद्धि आयात लाइसेंसों के जारी होने की तारीख से 6 मास आगे के लिए मांगी गई हो तो ऐसे आवेदन निरववाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा आर्थिक कार्य विभाग (आई०ए० अनुभाग)

वित्त मंत्रालय को भेजे जाएंगे। लाइसेंस कोड "एम्" और "ए. ए." लाइसेंस सं० के बाद पहले और द्वितीय प्रत्यय में संकेतित होने चाहिए। सही लाइसेंस कोड का प्रयोग सभी लदान दस्तावेजों और साथ ही साथ "एम्" प्रपत्र में किया जाना चाहिए जो रुखा निक्षेप करते समय भारतीय बैंक को भेजने अपेक्षित हैं।

2. केवल आस्ट्रियन मूल के पूंजीगत माल ही इस क्रेडिट के अंतर्गत वित्तदान के लिए पात्र है।

3. लाइसेंस भारत से प्रेषणों के लिए वैध नहीं होगा। आस्ट्रियन संभरकों को भुगतान नीचे की कंडिका 6 से 10 में निर्धारित क्रियाविधि के अनुसार ही किए जा सकते हैं।

4. भारतीय आयातक और आस्ट्रियन संभरक के बीच संभरण संधिदाओं में लाइसेंस शर्तों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1983 में से आयातकों के वित्तदान के लिए व्यवस्था होनी चाहिए और यह भारत सरकार द्वारा अनुमोदन के भी अधीन होनी चाहिए आयातकों को इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि वे इस शर्त के बारे में संभरकों को सूचित कर दें और इस संबंध में संभरण संधिदा में भी एक धारा जोड़ दें। इसके अलावा अनुमोदित आदेश वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (आई०ए० अनुभाग) की पूर्व अनुमति के बिना रद्द नहीं किए जाने चाहिए।

5. संधिदा का मूल्य केवल आस्ट्रियन शिलिंग में ही व्यक्त किया जाना चाहिए। संधिदा में सामान्यतः लदान दस्तावेजों को प्रस्तुत करने पर आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट, 1983 में से नकद भुगतान के लिए व्यवस्था होनी चाहिए। किसी भी प्रयागत निष्पादन गारंटी के लिए संभरक की बैंक गारंटी प्रस्तुत करने के लिए कहा जा सकता है।

6. संधिदा पूर्ण हो जाने के तुरंत बाद आयातक को संधिदा संभरण आदेश की फोटो स्टेट या प्रमाणित 5 प्रतियां और इसके साथ आयात लाइसेंस की दो फोटो स्टेट प्रतियां यदि कोई हों तो या विदेशी मुद्रा की स्वीकृति की प्रति वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग को भेजनी चाहिए। आयातक को अनुबंध 1 (तीन प्रतियों में) में दिए गए व्यौरों के अनुसार भी सूचना भेजनी है।

7. आस्ट्रिया से आयात के लिए निजी क्षेत्रों एवं सरकारी विभागों से भिन्न कम्पनियों एवं संस्थाओं द्वारा तय की गई संधिदाओं के मामलों में आयातक को अनुबंध 2 में निर्धारित प्रपत्र में एक अनुमोदित बैंक से, स्टाम्प समाहर्ता द्वारा विधिवत् निर्णीत एक बैंक गारंटी भेजनी चाहिए। बैंक गारंटी उम धनराशि के लिए होनी चाहिए कि जो संधिदा के लिए प्राधिकार पत्र लिया जाना है उसकी धनराशि जमा ब्याज और अन्य प्रभारों के समतुल्य रूप को प्रदर्शित करे। परिवर्तन की

दर, आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि को यथा प्रचलित राजस्व विभाग द्वारा अधिसूचित विनिमय दर या वह दर होगी जो आयात लाइसेंस से संकेतित हो।

8. यदि संधिदा दस्तावेज/संभरण आदेश, प्राधिकार पत्र जारी करने के निवेदन आयात लाइसेंस और जहां कहीं आवश्यक हो बैंक गारंटी ठीक पाए जाते हैं तब आर्थिक कार्य विभाग, प्राधिकार पत्र (अनुबंध 3 में दिए गए प्रपत्र में) पोत लदान दस्तावेजों के मद्दे संभरक को भुगतान के लिए प्राधिकृत करते हुए संधिदा की प्रति आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक को भेजेगा।

9. यदि प्राधिकार पत्र की वैधता अवधि के भीतर संभरकों को पोतलदान / भुगतान पूर्ण नहीं किए जाते हैं तो, प्राधिकार पत्र की अवधि समाप्त होने से काफी पहले प्राधिकार पत्र की तिथि में उचित वृद्धि के लिए आयातकों को वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (आई०ए० अनुभाग) से सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि मांगी गई अवधि मूल लाइसेंस की वैधता अवधि में अधिक हो तो ऐसे निवेदनों के साथ पुन वैध आयात लाइसेंस की फोटो स्टेट प्रति होनी चाहिए और जहां आवश्यक हो बैंक से बैंक गारंटी की वैधता अवधि में वृद्धि प्रदान करने वाला एक पत्र होना चाहिए।

10. यदि प्राधिकार पत्र की वैधता तिथि से 6 मास के भीतर प्राधिकार पत्र की वैधता अवधि में वृद्धि के लिए निवेदन नहीं प्राप्त होता है तो प्राधिकार पत्र में अप्रयुक्त शेष धनराशि अभ्यर्पित की हुई ममसी जाएगी और प्राधिकार पत्र स्वतः ही समाप्त हो जाएगा।

11. आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक मूल परक्राम पोतलदान और अन्य दस्तावेज सम्बद्ध आयातकों के भारतीय बैंक को भेजेगा और इन दस्तावेजों के परक्राम्य सेटों की रिहाई आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक के आयातकों को तब करनी चाहिए जब इस बात का सुनिश्चय हो जाए कि आयातक ने निम्नलिखित धनराशि जमा करवा दी है :—

(1) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचना सं० 8 आई० टी० सी० (पी० एन०)/76 दिनांक 17-1-76 में निर्धारित तरीके से या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनिमय नियंत्रक परिपत्रों के माध्यम से समय-समय पर अधिसूचित किए जाने वाले निर्धारित तरीके से गणना की जाने वाली लागू मिश्रित दर पर आस्ट्रियन शिलिंग में संभरकों को किए गए भुगतान के समतुल्य रूप।

(2) सार्वजनिक सूचना सं० 31 और 35 आई० टी० सी० (पी० एन०)/83 क्रमशः दिनांक 10-8-83 और 26-8-83 के अनुसार या उपर्युक्त मद सं० (1) में जमा की जाने वाली धनराशि

पर समय-समय पर अधिसूचित की जाने वाली दर से पहले 30 दिनों के लिए 12% वार्षिक व्याज की दर से और 30 दिनों से अधिक के लिए 18% वार्षिक व्याज की दर से आयातकों द्वारा भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी दिल्ली या भारतीय रिजर्व बैंक में वास्तविक रुपया जमा करने की तारीख और आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक द्वारा संभरकों से वास्तविक दर से किए गए भुगतान की तारीख (दोनों दिन शामिल होंगे) के बीच के दिनों के लिए परिगणित व्याज।

- (3) आस्ट्रियन पूंजीगत माल, 1983 के अधीन राज्य सरकार के विभागों और केन्द्रीय सरकार के विभागों द्वारा किए गए आयातों के लिए व्याज के भुगतान की व्यवस्थाएं लागू नहीं हैं।

12. इस बात का सुनिश्चय करने की जिम्मेदारी सम्बद्ध भारतीय बैंक की होगी कि देय धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सौंपने से पूर्व सरकार के लेखे में सही रूप से जमा करवा दी जाती है। आयातक को भी इस बात का सुनिश्चय करना चाहिए कि अपने बैंकर्स से दस्तावेजों की सुपुर्दगी लेने से पूर्व धनराशि सरकारी लेखे में सही रूप से जमा करवा दी है।

13. आयातकों (निजी क्षेत्र के संस्थान और केन्द्रीय सरकार के विभागों को शामिल करके) को अपेक्षित धनराशि केवल विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारियों के माध्यम से ही जमा करवाना चाहिए और उनसे सार्वजनिक सूचना सं० 184-आई० टी० सी० (पी० एन०) / 68, दिनांक 30-8-68 के अनुसार लाइसेंस की मुद्रा वित्तिय नियंत्रण प्रति पृष्ठांकित करवा लेनी चाहिए। सम्बद्ध बैंक द्वारा अपेक्षित "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, वस्वई को भेजा जाएगा।

14. ऊपर के पैरा 11 में निर्धारित धनराशि केवल भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी दिल्ली या भारतीय रिजर्व बैंक दिल्ली में ही सरकारी लेखे में निम्नलिखित लेखा शीर्ष के अधीन निक्षेप किया जाएगा:—

"ए डिपोजिट्स एण्ड एडवांसज डिपोजिट नाट बियरिंग इन्टरेस्ट 843-सिविल डिपोजिट्स डिपोजिट्स फार परचेजिज एटसेट्रा एब्रोड परचेजिज एटसेट्रा अन्डर आस्ट्रियन केपिटल गुड्स क्रेडिट, 1983"।

सार्वजनिक सूचना सं० 74-आई० टी० सी० (पी० एन०) / 74 दिनांक 31-5-74 में निर्धारित चालान प्रपत्र में भुगतान किया जाना चाहिए।

15. भारतीय रिजर्व बैंक से या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी दिल्ली से प्राप्त चालान की एक प्रति या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में दर्शनी हुंडी (डिमान्ड ड्राफ्ट) जमा करने के बारे में सूचना आयातक के बैंक

द्वारा सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू० सी० अं० बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 को भेजी जानी चाहिए और इसके साथ एक अग्रपेण पत्र भी भेजा जाना चाहिए जिसमें आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक से प्राप्त प्राधिकार पत्र सं० विदेशी मुद्रा की वह धनराशि जिसके समतुल्य रुपया जमा करवाया गया है, आस्ट्रियन संभरक को भुगतान की तिथि और व्याज की धनराशि परामर्श टिप्पणियों के पूर्ण व्यौर के साथ दर्शाई जाए।

16. एक लाइसेंस के अधीन आयात पूर्ण हो जाने के बाद और आयातक बैंकों द्वारा सरकारी लेखे में सभी देय धनराशि जमा करवाने के बाद, प्राप्त आयातों और जमा करवाई गई धनराशि के पूर्ण व्यौर, अनुबंध 4 में निर्धारित प्रपत्र में, नियंत्रक सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग को भेजना चाहिए। जिससे कि वित्त मंत्रालय सत्यापन करने और जहां आवश्यक हो आयातकों द्वारा भेजी गई बैंक गारंटी की रिहाई करने की व्यवस्था करने में और मामले का वन्द करने में समर्थ हो सके।

17. इसे भली-भांति से जान लेना चाहिए कि यदि लाइसेंसधारी और संभरक के बीच में किसी प्रकार झगड़ा हो जाता है तो भारत की सरकार इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराई जाएगी। भुगतान किए जाने से पूर्व संभरक द्वारा पूर्ण की जाने वाली शर्तें आयातक को बता दी जानी चाहिए। यदि आवश्यक हुआ तो विवादों को निपटारे से सम्बद्ध व्यवस्था संविदा में की जा सकती है।

18. आयात लाइसेंस या उसके सम्बन्ध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट, 1983 के अधीन सभी आभारों को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निदेशों या अनुदेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

19. उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अति-क्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

अनुबंध-1

(तीन प्रतियों में)

आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट, 1983 के अधीन प्राधिकार पत्र प्रदान करने के लिए आवेदन पत्र

(क) भारतीय आयातक और/या जहां आवश्यक हो, परियोजना प्राधिकारी का नाम और पता

(ख) संभरक का नाम और पता

(ग) (1) आयात लाइसेंस की संख्या और तारीख

- (2) मूल्य
- (3) आयात किए जाने वाले माल का संक्षिप्त ब्यौरा
- (घ) (1) भारत में आयात का बैंक (यह वह बैंक होगा जिसमें निजी क्षेत्र के मामले में बैंक गारन्टी भेजी हो)।
- (2) भारत में आयातक का बैंक जो आयातक को पोतलदान दस्तावेज जारी करने के पूर्व सरकारी लेखे में धनराशि जमा करवाने के लिए जिम्मेदार होगा।
- (ङ) आस्ट्रियन शिलिंग में संविदा आदेश का मूल्य।
- (च) सुपुर्दगिया पूर्ण कर लेने की प्रत्याशित तिथि।
- (छ) भुगतान की शर्त तथा वह संभावित तिथि जिसको संविदा के अधीन भुगतान देय होगा।
- (ज) क्या आंशिक पोतलदान अनुमेय निषेध है।
- (झ) लदान दस्तावेज की विस्तृत सूची जैसे अवतरण बिल, बीजक, उदगम प्रमाण पत्र आदि, जिसकी मांग आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक भुगतान करने से पूर्व संभरकों से मांगेगी और इसके साथ प्रत्येक दस्तावेज के लिए अपेक्षित प्रतियाँ।
- (ट) यदि कोई हो, तो संविदा में शामिल किया गया भारतीय अधिकर्ता का कमीशन (यहां धनराशि का संकेत किया जाना है) जिसे प्राधिकार पत्र जारी करते समय संविदा के मूल्य में से निकाल दिया जाता है। ऐसा कमीशन अधिकर्ता को सीधे ही आयातक द्वारा रुपए में भुगतान करने योग्य होगा।
- (ठ) वह मूल्य जिसके लिए प्राधिकार पत्र अपेक्षित हो।
- (ड) बैंक गारन्टी की संख्या, दिनांक और मूल्य जिसमें उसकी वैधता अवधि भी बर्शाई जानी चाहिए (केवल निजी क्षेत्र के अयातों के मामले में)।
- (ढ) यदि कोई हो तो विशेष अनुदेश।

#### अनुसूच-2

#### गारन्टी बैंड

(आस्ट्रियन पूंजीगत माल साख-1983 के अन्तर्गत माल आयात करने की प्रक्रिया के अधीन बैंक द्वारा भेजा जाना है।

सेवा में,

भारत के राष्ट्रपति,

भारत के राष्ट्रपति (इसके बाद जिसे "सरकार" कहा गया है) के लिए आस्ट्रियन साख, 1983 की शर्तों के अन्तर्गत और उपर्युक्त समझौते के मद्दे आयातक के नाम में

.....को जारी किए गए आयातक लाइसेंस सं० .....के अनुसरण में .....द्वारा (इसके बाद जिसे "आयातक" कहा गया है) .....के आयात के लिए आस्ट्रियन शिलिंग में भुगतान की व्यवस्था करने के लिए सहमत होने पर हम, .....बैंक आयातक के अनुरोध पर आस्ट्रियन राष्ट्रीय बैंक द्वारा किए गए भुगतानों और उस बैंक को भुगतान किए जाने योग्य कमीशन और डाक खर्च की धनराशि की मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचना सं०-8 आई० टी० सी० (पी० एन०)/76 दिनांक 17-1-76 में जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार या इस मामले में सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित अनुदेशों के अनुसार परिकल्पित प्रचलित मिश्रित मुद्रा विनिमय की दर पर सरकार के लेखे भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक तीस हजारी दिल्ली बैंक में जमा करने के लिए सूचना प्राप्त की तारीख से 10 दिनों के भीतर विधि के अनुसार और भारत सरकार द्वारा संकेतिक उचित लेखा शीर्षों के मद्दे उक्त क्रेडिट के अन्तर्गत जमा करने की व्यवस्था करने के लिए वचन देते हैं और हम यह भी वचन देते हैं कि सार्वजनिक सूचना सं० 31-आई० टी० सी० (पी० एन०)/83 दिनांक 10-8-83 और सं० 35-आई० टी० सी० (पी० एन०)/83 दिनांक 25-8-83 में निर्धारित धरों पर अर्थात् पहले 30 दिनों के लिए 12% की दर पर और विदेशी संभरक को भुगतान किए जाने की वास्तविक तारीख (इसमें दोनों तारीख शामिल हैं) से अधिक दिनों के लिए 18% की दर पर ब्याज जमा करेंगे।

2. हम.....(बैंक) यह भी वचन देते हैं कि आयातक द्वारा सरकार को समय-समय पर चुकाए जाने योग्य किसी भी प्रकार की बाकी रही धनराशि को चुकाए जाने में बाकीदारी पाये जाने पर सरकार समय-समय पर ऐसी धनराशि जो .....रुपए से ज्यादा नहीं है या उसका कोई भी अंश जो कुछ समय के लिए बाकी रहा है और उसका आयातक द्वारा भुगतान किया जाना है, उसके जमा करने के लिए सरकार समय-समय पर जिस स्थान पर और जिस तरीके से जमा करने के लिए अनुदेश दे तो सरकार को उसकी क्षति नहीं होने देंगे और उसे क्षति पूर्ति से दूर रखेंगे। तथा हम इसके साथ सरकार के खाते में समतुल्य रुपए वास्तव में जमा करने की तिथि से संभरक को किए गए भुगतान की तिथि तक के लिए अर्जित प्रथम 30 दिनों के लिए 12% रुपए प्रति सैंकड़ा वार्षिक की दर से और इससे अधिक दिनों के लिए (तत्पश्चात् सार्वजनिक सूचना देखें) 18 रुपए प्रति सैंकड़े वार्षिक की दर से उस पर ब्याज भी जमा करेंगे। आयातक द्वारा उल्लिखित भुगतान करने में किसी प्रकार की देर होने पर अथवा उसकी ओर से सरकार को भुगतान किए जाने योग्य राशि के सम्बन्ध में जो राशि हमारे.....बैंक द्वारा दी जानी है, उस सम्बन्ध में सरकार द्वारा लिया गया निर्णय हमारे ऊपर .....अन्तिम और अनिवार्य होगा।



3. हम ..... बैंक आगे इस बात पर सहमत होते हैं कि संविदा के अन्तर्गत मिली जुली दर में परिवर्तन होने पर आयात के मूल्य में वृद्धि होने से या अधूरे माल छुड़ाने की स्थिति में उसका मूल्य बढ़ जाने की स्थिति में, जब से परिवर्तन हुआ है, उस परिवर्तन के अनुपात में बैंक गारंटी खण्ड की धनराशि को समायोजित कर लिया जाएगा।

4. हम ..... बैंक आगे इस बात पर सहमत है कि इस गारंटी में जो कुछ निहित है, वे उल्लिखित करार/संविदा के निष्पादन होने तक पूरी शक्ति और प्रभाव के साथ लागू होंगे और उसे तब तक कार्यान्वित रखा जाएगा जब तक सरकार के अन्तर्गत या इस गारंटी में आने वाला सारा बकाया देय पूर्ण रूपेण से चुकता न कर दिया गया हो और उसकी मांगें पूरी न हो गई हों या उन्मुक्त न हो गई हो।

5. इसमें उल्लिखित गारंटी पर आयातक या दि ..... बैंक के संविधान में किसी प्रकार का परिवर्तन होने से प्रभाव नहीं पड़ेगा और सरकार को पूर्ण स्वतंत्रता होगी कि गारंटी को प्रभावित किए बिना आयातक और दि ..... बैंक पर लागू होने योग्य किसी भी अधिकार को किसी समय या समय-समय के लिए स्थगित करे या किसी भी धनराशि के भुगतान के लिए आयातक को बाध्य कर सकती है और उपर्युक्त मामले के संदर्भ में या किसी कारणवश थोड़े समय के लिए आयात की या किसी अन्य स्थान जो दिया गया हो, इस गारंटी के अन्तर्गत सरकार द्वारा किसी प्रकार की स्वतंत्रता बरती जाने पर यह अपनी जिम्मेदारी से उन्मुक्त नहीं होगी, लेकिन इस व्यवस्था के लिए नियम या सरकार की ओर से दी गई छूट या आयातक पर किए गए किसी तरह से अनुग्रह हो या और कोई मामला या बात, चाहे जो भी हो, जो जमानतों से संबंधित हो ..... बैंक पर इस प्रकार की जिम्मेदारियों के लिए ऊपर कथित उन्मुक्ति का प्रभाव पड़ेगा।

6. हम ..... बैंक यह भार लेते हैं कि सरकार द्वारा लिखित में परामर्श पाए बिना, मुद्रा माल में इसकी गारंटी को रद्द नहीं करेंगे।

7. हम ..... बैंक, एतद्वारा सार्वजनिक सूचना सं० 15-आई० टी० सी० (पी० एन०)/72 दिनांक 28-2-72 और सं० 108-आई० टी० सी० (पी० एन०)/72, दिनांक 21-7-72 और सं० 8 आई० टी० सी० (पी० एन०)/76, दिनांक 17-1-76 और इसके बाद समय-समय पर जारी होने वाली ऐसी ही अन्य सार्वजनिक सूचनाओं की शर्तों के अनुसार अतिरिक्त धनराशि जमा करने का वचन देते हैं।

8. इस पोस्टल गारंटी के अन्तर्गत ..... रूप (इसमें ब्याज तथा कमीशन और अन्य प्रभार भी शामिल

है, यदि कोई हो तो इस गारंटी की धनराशि के एक प्रतिशत से ज्यादा होने की उम्मीद नहीं की जाती) तक हमारी जिम्मेदारी सीमित है और यह गारंटी ..... दिनांक ..... मास ..... 19.....

तक जब तक इसकी तारीख से 18 मास के भीतर लिखित रूप में इस गारंटी के अन्तर्गत मांगें पूरी नहीं कर ली जाती, इसे लागू रखा जाएगा और जब तक उसके बाद दूसरे 18 मास की भीतर अर्थात् ..... तक उनकी मांगों के लिए मूकदमा या कार्रवाई लागू न हो जाए, इस गारंटी के अन्तर्गत सरकार के सभी अधिकार समाप्त हो जायें और हम लोग इसके अन्दर निहित जिम्मेदारियों से मुक्त और उन्मुक्त कर दिए जाएंगे।

..... दिनांक .....

वास्ते ..... (बैंक लि०) ..... श्री ..... के द्वारा (नाम और ओहदा) भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से स्वीकृत हस्ताक्षर .....

जिस तारीख में संभरकों को सभी भुगतान पूरा करने की आशा हो उसमें एक मास जोड़ कर यह तारीख मानी जाएगी।

टिप्पणी:—(1) स्टाम्प पेपर का मूल्य जिसमें यह गारंटी कार्यान्वित होने वाली है, इसके मूल्य को भारतीय स्टाम्प अधिनियम की धारा-31 के अनुसार स्टाम्प कलक्टर के द्वारा ब्याज निर्णित किया जाना है।

(2) बैंक गारंटी की धनराशि के परिकलन के लिए अपनाई जाने वाली मुद्रा विनियम दर वही दर होनी चाहिए जो आयात लाइसेंस में दी गई है।

अनुबंध-3

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक .....

प्रबंधक,

आस्ट्रियन नेशनल बैंक,

आटो बागनर प्लेट्ज 3,

विथना-9 (आस्ट्रिया)

प्रिय श्री,

आस्ट्रियन पूंजीगत माल क्रेडिट 1983 प्राधिकार पत्र सं०

.....

हमें ..... के मद्दे

..... आस्ट्रियन शिलिंग

के लिए सर्वश्री .....

द्वारा सर्वश्री .....को दिए गए आदेश सं० .....दिनांक .....के संदर्भ की ओर आपका ध्यान दिलाना है। हम एतद्द्वारा आपको संलग्न विवरण में निर्धारित नियम एवं शर्तों के अनुसार सर्वश्री .....की .....आस्ट्रियन शिलिंग (.....आस्ट्रियन शिलिंग) तक की धन राशि का भुगतान करने के लिए प्राधिकृत करते हैं। अनुरोध है कि सर्वश्री .....द्वारा प्रस्तुत किए गए बीजक, लदान संबंधी और अन्य दस्तावेज सीधे ही .....( बैंक ) को भेजे जाएं।

2. उपर्युक्त पैरा 1 में दर्शाई गई धनराशि, भारत सरकार और आस्ट्रियन संघीय सरकार के बीच दिनांक 4 अक्टूबर, 1983 को हुए समझौते के अनुच्छेद 2 और 3 में निर्धारित नियम एवं शर्तों के अनुसार भारत सरकार द्वारा चुकाई जाएगी।

3. कृपया इस साक्ष्य-पत्र के मददे किए गए भुगतानों के ब्यौरे भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक के कार्यालय, यू० सी० ओ० बैंक बिल्डिंग, नई दिल्ली को भेजे जाएं और उसे लदान और अन्य निर्धारित दस्तावेजों की एक प्रति के साथ नामे डालने के लिए सूचना भी भेजी जानी चाहिए।

4. यह प्राधिकार पत्र दिनांक .....मास .....198 तक वैध रहेगा।

भवदीय,

अवर सचिव, भारत सरकार

1. सर्वश्री .....( बैंक )। संदर्भाधीन आयात .....रुपये के लिए आयात लाइसेंस सं० .....दिनांक .....के अंतर्गत शामिल है। इस संदर्भ के लिए .....रुपये के लिए आपकी गारंटी सं० .....दिनांक .....भी है। यह प्राधिकार पत्र आस्ट्रियन पूंजीगत माल साक्ष्यपत्र, 1983 के अधीन आयातों को दर्शाने वाले लाइसेंस शर्तों के अधीन जारी किया जाता है। कृपया इन लाइसेंस शर्तों एवं संबद्ध सार्वजनिक सूचनाएं/आदेशों आदि को और आयात/विदेशी भुगतानों से संबंधित उचित कार्रवाई करें। इस संबंध में निम्नलिखित आवश्यकताओं के लिए विशेष रूप से ध्यान दिलाया जाता है:—

(1) जैसे ही संभरक को प्रत्येक भुगतान कर दिया जाता है, कृपया सरकारी लेखों में, (संभरकों को किए गए भुगतान की तारीख को लागू मुद्रा विनिमय की लागू मिश्रित दर निकाली गई धन-राशि) के साथ समय-2 पर निर्धारित ब्याज

भी जमा करावें। सार्वजनिक सूचना सं० 31-आई० टी० सी० ( पी० एन० ) / 83, दिनांक 10-8-1983 और सं० 35-आई० टी० सी० ( पी० एन० ) / 83, दिनांक 26-8-1983 में यथा निर्धारित ब्याज की वर्तमान दरें संभरक को भुगतान की तारीख से प्रथम 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत और शेष दिना के लिए 18 प्रतिशत तक है, जिसमें जमा करने की तारीख भी शामिल है।

(2) इस प्राधिकार पत्र के अधीन किए गए प्रत्येक विदेशी भुगतान के लिए कृपया निक्षेप या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली में सार्वजनिक सूचना सं० 74-आई० टी० सी० ( पी० एन० ) / 74, दिनांक 31-5-1974 में निर्धारित प्रपत्र में अलग से चालान इस्तेमाल करते हुए किया जाना है।

(3) संभरक को किए गए प्रत्येक भुगतान के लिए, मूल दस्तावेज (वाणिज्यिक बीजक, बैंक गारंटी, निष्पादन गारंटी, पोटलदान दस्तावेजों के परस्मय सेट आदि) जैसा कि ऊपर बताया गया है सरकारी बकाये को जमा करने के बाद ही, आयातक को रिहा किए जाने चाहिए।

(4) चूंकि विदेशी मुद्रा में प्राधिकृत व्यापारी होने के कारण, आपके बैंक संबंधी कर्तव्यों और उत्तरदायित्व भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न ए० डी० परिपत्रों में निर्धारित किए जाते हैं। इस संबंध में विशेष संदर्भ के लिए परिपत्र सं० 22, दिनांक 18-6-77 की ओर दिलाया जाता है।

(5) कृपया इस पत्राचार की पावती अधोहस्ताक्षरी एवं लेखा सहायक एवं लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, यूको बैंक बिल्डिंग, नई दिल्ली को भेजें।

2. सर्वश्री ..... इसका संदर्भ उनके आवेदन पत्र/पत्र सं० ..... दिनांक ..... और संविदा/क्रय आदेश सं० .....से है। उपर्युक्त (1) में दर्शाए गए अनुदेशों की ओर उनका विशेष ध्यान दिलाया जाता है। कृपया यह भी देख लिया जाए कि आयातक भी यह बात सुनिश्चय करने के लिए उत्तरदायी है कि सरकारी खर्च ठीक प्रकार से पूर्ण रूप से और शीघ्र ही तय किए जाते हैं।

3. नियंत्रक, लेखा सहायता और लेखा परीक्षा, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, यूको बैंक बिल्डिंग, नई दिल्ली 110001। मूल रूप में .....( बैंक ) द्वारा जारी की गई .....रुपए के लिए

बैंक गारंटी सं० ..... दिनांक .....  
 ..... रूप के लिए आयात लाइसेंस सं० .....  
 ..... दिनांक ..... की एक प्रति ..... ( मंत्रालय ) द्वारा जारी की गई ..... रूप के लिए विदेशी मुद्रा विनिमय रिहाई स्वीकृति सं० ..... दिनांक ..... की एक प्रति और संविदा/क्रय आदेश सं० ..... का एक सेट संलग्न है।

अवर सचिव, भारत सरकार

#### अनुबन्ध-4

प्रत्येक प्राधिकार पत्र के अधीन आयात/भुगतान पूर्ण होने पर सहायता लेख और लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय को भेजी जाने वाली रिपोर्ट।

1. आयातक/लाइसेंसधारी का पूरा पता
2. आयात लाइसेंस की संख्या और दिनांक एवं मूल्य
3. भेजी गई गारंटी की संख्या, दिनांक एवं धनराशि ( निजी क्षेत्र के आयात के संबंध में )

4. वित्त मंत्रालय से जारी किए गए प्राधिकार पत्र के ब्यौरे :—

- (क) प्राधिकार पत्र की संख्या एवं दिनांक
- (ख) प्राधिकार पत्र की धनराशि ( आस्ट्रियन शिलिंग में )

5. प्रभावी किए गए आयातों एवं जमा किए गए रुपयों के ब्यौरे :—

- (क) संभरक का नाम
- (ख) उपर्युक्त (क) में उल्लिखित संभरक को चुकाई गयी वास्तविक धनराशि ( आस्ट्रियन शिलिंग में )
- (ग) आस्ट्रियन नेशनल बैंक द्वारा संभरक को किए गए भुगतान की तारीख
- (घ) जमा किए गए रुपए की धनराशि :—
  - (1) संभरक को चुकाई गई आस्ट्रियन शिलिंग के समतुल्य रुपए आस्ट्रियन शिलिंग रुपए
  - (2) चुकाया गया ब्याज
  - (3) जिस अवधि तक ब्याज परिकलित किया गया है ..... से ..... तक।
  - (4) जमा किया गया कुल धन
  - (5) जमा करने का दिनांक और स्थान

(6) राजकोष चालान की संख्या एवं दिनांक ( इसे संलग्न किया जाता है ) यदि राजकोष चालान पहले ही भेज दिया गया है तो उसकी संख्या एवं दिनांक का संदर्भ उद्धृत किया जाए।

(7) यदि उपर्युक्त (घ) (4) में लिखित रुपया डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से जमा किया गया था तो ड्राफ्ट की संख्या, दिनांक और धनराशि और आपके जिम पत्र के साथ यह महानिष्ठापन, केन्द्रीय राजस्व को भेजा गया था उसके ब्यौरे।

6. प्रत्येक प्राधिकार पत्र के मद्दे प्रयुक्त एवं अप्रयुक्त गेप धनराशि ( आस्ट्रियन शिलिंग में )

7. इस संबंध में एक प्रमाणपत्र कि उपर्युक्त कंडिका-6 में संकेतिक गेप धनराशि का उपयोग नहीं किया गया है और इसके लिए कोई पोतलदान नहीं किया गया है तथा उसे समाप्त हुआ समझा जाए।

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 13th February, 1984

PUBLIC NOTICE NO. 9-ITC(PN)/84

Subject.—Licensing Conditions for Private Sector & Public Sector Imports under the Austrian Capital Goods Credit, 1983

File No. IPC/23(1)/84.—The terms and conditions governing private sector and public sector imports under the Austrian Capital Goods Credit, 1983 as given in the Appendix to this Public Notice, are notified for information.

P. C. JAIN, Chief Controller of Imports & Exports.

Appendix to Ministry of Commerce Public Notice No. 9-ITC(PN)/84 dated 13th February, 1984.

#### CONDITIONS FOR LICENSING PRIVATE SECTOR AND PUBLIC SECTOR IMPORTS UNDER THE AUSTRIAN CAPITAL GOODS CREDIT, 1983

1. The Licence will be issued with a validity period of twelve months but firm orders on C.I.F./C.&F. basis must be placed on the Austrian suppliers and copies of the same furnished to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi within four months from the date of issue of the Import Licence. The term 'firm orders' means a purchase order placed by the Indian licensee on the foreign supplier duly supported by confirmation from the latter or a purchase contract duly signed by both the Indian importer and the foreign supplier. If firm order cannot be finalised within the time limit of four months, the licensee should submit to the Chief Controller of Imports & Exports (C.C.I. & E.) or other licensing authorities, as the case may be, a proposal seeking an extension in the ordering period alongwith justification and explanation as to why ordering could not be completed within the initial validity period. Such requests for extension on the ordering period will be considered on merits in each case by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 2 months. If, however, extension is sought beyond 6 months from the date of issue of Import

Licence, such a proposal should invariably be referred by the licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Indian Aid Section), Ministry of Finance, New Delhi. The Licence codes 'S' and 'AA' should be indicated in the first and second suffix after the licence number. The correct licence code should be used in all the shipping documents as well as in the "S" forms required to be furnished to the Indian Bank at the time of rupee deposits.

2. Only capital goods of Austrian origin are eligible for being financed under this Credit.

3. The licence will not be valid for remittances from India. Payment to the Austrian suppliers can be made only in accordance with the procedure set forth in paragraphs 6-10 below.

4. The contract of supply between the Indian importer and the Austrian supplier should provide for the import being financed out of the Austrian Capital Goods Credit, 1983 in accordance with the procedures set forth in these Licensing Conditions, and should also be made subject to approval by the Government of India. Importers should take special care to inform the suppliers about this conditions and also incorporate a clause to this effect in the supply contract. Moreover, approved orders should not be cancelled without prior concurrence of the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

5. The value of the contract should be expressed in Austrian Schillings only. The contract should normally provide for cash payment out of the Austrian Capital Goods Credit, 1983 on presentation of shipping documents. For any customary performance guarantee, the Suppliers could be asked to furnish a bank guarantee.

6. Immediately after the contract is concluded, the importer should furnish 5 photostat or certified copies of the contract/supply orders accompanied by two photostat copies of the Import Licence if any or foreign exchange sanction to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (IA Section). The importer is also required to furnish the information as per details in Annexure I (in triplicate).

7. In the case of contracts concluded by companies and institutions other than Public Sector Undertakings and Government Department for imports from Austria the importer should furnish a bank guarantee from an approved scheduled bank, in the form prescribed (Annex II) duly adjudicated by the Collector of Stamps. The Bank Guarantee should be for an amount representing the rupee equivalent of the amount of contract for which letter of Authority is sought plus interest and other charges. The rate of conversion shall be at the exchange rate notified by the Department of Revenue as prevailing on the date of issue of Import Licence or that indicated on the Import Licence.

8. If the contract documents/supply order, the request for issue of Letter of authorisation, the Import Licence and bank guarantee, where necessary, are found to be in order, the Department of Economic Affairs will forward a copy of the contract to the Austrian National Bank together with a Letter of Authority (in the format Annexure III) authorising payment to the suppliers against shipping documents.

9. In case the shipment/payments to the suppliers are not completed within the validity period of the Letter of Authority, the importer should approach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (IA Section) for suitable extension of the Letter of Authority well before the expiry period of the Letter of Authority. Such a request should be accompanied by a photostat copy of the revalidated Import Licence, if the period of extension sought for is beyond the validity of the original Import Licence, and a letter from the banks extending the validity of Bank Guarantee, where necessary.

10. If the request for extension in the period of validity of the Letter of Authority is not received within a period of six months from the validity date of the Letter of Authority, the unutilised balance in the Letter of Authority will be deemed to have been surrendered and the Letter of Authority will stand lapsed automatically.

11. The original negotiable shipping and other documents will be invariably forwarded by the Austrian National Bank to the concerned importer's bank in India who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the importer has deposited :—

(i) the rupee equivalent of the payments made to the suppliers in Austrian Schillings at the prevailing composite rate of exchange to be calculated in the manner as prescribed in Chief Controller of Imports & Exports Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by the Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India.

(ii) interest calculated at the rate of 12 percent per annum for the first 30 days and at 18 percent for the period in excess of 30 days in terms of Public Notices No. 31 & 35-ITC(PN)/83 dated 10-8-1983 and 26-8-1983 respectively or at the rates as may be notified from time to time on the amount required to be deposited vide item No. (i) above, reckoned from the date of actual payment to the supplier by the Austrian National Bank to the date of actual deposit (both days inclusive) of the rupee equivalent by the importer in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or Reserve Bank of India, New Delhi.

(iii) The provisions for payment of interest are not applicable to imports made under the Austrian Capital Goods, 1983 by State Government Departments and Central Government Departments.

12. It shall be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the accounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers.

13. The importers (including Public Sector Undertakings and Departments of the Central Government) should make the requisite rupee deposit only through Authorised Dealers in foreign exchange and also get the Exchange Control Copy of the Licence endorsed by them as required in Public Notice No. 184-ITC(PN)/68 dated the 30th August, 1968. The requisite 'S' form will be sent by the concerned bank to the Reserve Bank of India, Bombay.

14. The money specified in para 11 should be deposited only with the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi, or the Reserve Bank of India, New Delhi to the Credit of the Central Government Account under the Head of account—

"A-Deposits and advances.—Deposit not bearing interest—843—Civil Deposits—Deposits for purchases etc. abroad—purchases etc. under Austrian Capital Goods Credit, 1983."

The deposit should be made in the Challan Form prescribed in Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974.

15. One copy of the receipted challan from the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi-6 or intimation regarding the submission of Demand Draft to the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi-6, should be sent by Importer's Bank to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 alongwith a forwarding letter giving full details of the Advice Notes received from the Austrian National Bank, Letter of Authority No., amount of foreign currency to which rupee deposit is made, date of payment to the Austrian Supplier and amount of interest.

16. After the imports under a Licence are completed and the importers bankers have deposited into Government Account all the amounts due, details of the import received



and the rupee deposits made should be furnished to the Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi-110001 in the proforma prescribed in Annexure IV to enable the Ministry of Finance to verify and arrange for release if the Bank Guarantee furnished by the importers wherever necessary and to closed the cases.

17. It should be understood that the Government India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the supplier. The conditions to be fulfilled by the Supplier before the payment could be effected, should be spelt out by the importer. If necessary, provision dealing with the settlement of disputes may be included in the contract itself.

18. The licensee shall promptly comply with any directions, instructions, or order issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Austrian Capital Goods Credit, 1983.

19. Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports & Exports (Control) Act.

### ANNEXURE I (IN TRIPLICATE)

Application for the grant of Letter of Authority under the Austrian Capital Goods Credit, 1983 :—

- (a) Name and address of the Indian Importer and/or project authority where necessary.
- (b) Name and address of the Supplier.
- (c) (i) No. and Date of the Import Licence.  
(ii) Value.  
(iii) Short description of goods to be imported.
- (d) (i) The Importers' Bank in India (which will be the Bank that has furnished the Bank Guarantee in case of Private sector imports).  
(ii) The Importers' Bank in India (which will be responsible to make rupee deposits in Government account before releasing shipping documents to the importer.)
- (e) Value of the contract order in Austrian Schillings.
- (f) Expected date of completion of deliveries.
- (g) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (h) Whether partial shipments are permitted/prohibited.
- (i) Detailed list of shipping documents, like Bill of Lading, Invoices, Certificate of Origin, etc., which the Austrian National Bank should demand from the suppliers before making payment, together with the number of copies of each document required.
- (j) Indian Agent's commission, if any, included in the contract (exact amount to be indicated), which will have to be deducted from the contract value while issuing a Letter of Authority. Such commission will be payable by the Importers direct to the Agents in rupees.
- (k) Value for which the Letter of Authority is required.
- (l) Number, date and value of Bank Guarantee, indicating the period upto which it is valid (in case of private sector imports only).
- (m) Special instructions, if any.

1413 GI/83—2

### ANNEXURE II

#### GUARANTEE BOND

(To be furnished by Banks under the Procedure for the import of goods under the Austrian Capital Goods Credit, 1983).

To.

The President of India,

In consideration of the President of India (hereinafter called 'the Government') having agreed to arrange for payment in Austrian Schillings for the import of—by—(hereinafter called the 'importer') under the terms and conditions of the Austrian Capital Goods Credit, 1983 and in pursuance of Import Licence No. — issued on — in favour of the importer against the above Agreement, we—(bank) at the request of the importer hereby undertake to arrange to deposit the amounts of the disbursements made by the Austrian National Bank and commission and postal charges payable to that Bank converted at the prevailing composite rate of exchange calculated as per instructions issued in C.C.I.&E.'s Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as notified by the Government in the matter from time to time within ten days of the receipt of advice of payment for credit to the Government account with the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi in the manner and against the appropriate Heads of Account as indicated by Government of India under the said Credit together with interest at the rates prescribed in Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-1983 and No. 35-ITC(PN)/83 dated 25-8-1983 i.e. at the rate of 12 percent for the first 30 days and 18 percent for the period in excess of from the date of payment to foreign supplier to the date of actual deposits (both days inclusive).

2. We, the—(Bank) also undertake to indemnify and keep indemnified the Government against any default in payment by the importer of any sum that may be due and payable from time to time by the importer to the Government at such place and in such manner as the Government may from time to time direct such sum not exceeding Rs.— or any part thereof for the time being due and payable by the importer together with interest thereon at the rate of 12 percent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 percent per annum for the period in excess thereof (vide Public Notice *ibid*) accrued from the date of payment to the supplier to the date of actual deposit of the rupee equivalent to Government account. The decision of the Government as to any default in the said payment by the importer or on his part and in regard to the amount payable to the Government by us—(Bank), shall be final and binding on us—(Bank).

3. We, —(Bank) further agree that in case of increase in the value of import or increase in the value of unfulfilled deliveries under the contract as a result of change in the composite rate of exchange mentioned in para 1 above, the amount of this guarantee bond will be adjusted as on the date when the change takes place in proportion to this change.

4. We, —(Bank) further agree that the guarantee herein contained shall remain in full force and effect during the period that would be taken for the performance of the said agreement/contract and that it shall continue to be enforceable till all the dues to the Government under or by virtue of this guarantee have been fully paid and its claims satisfied or discharged.

5. The guarantee herein contained shall not be affected by any change in the constitution of the importer or the—(Bank), and the Government shall have the fullest liberty without affecting the guarantee to postpone for any time and from time to time any of the powers exercisable by it against the importer and either to enforce payment by the importer of any of the amounts the payment whereof is intended to be hereby secured and the—(Bank), shall not be released from

its liability under the guarantee by any exercise by the Government of the liberty with reference to the matters aforesaid or by reason of time being given to the importer or any other forebearance, act or omission on the part of the Government or any indulgence by the Government, to the importer or by any matter or thing whatsoever which under the law relating to surities shall, but for this provision, have the effect of so releasing the (Bank), from its such liability.

6. We, (Bank) undertake not to revoke this guarantee during its currency except with previous consent of the Government in writing.

7. We, (Bank), hereby undertake to make additional deposits in terms of Public Notices No. 15-ITC (PN)/72 dated 28th January, 1972 and No. 108-ITC (PN)/72 dated 21st July, 1972 and 8-ITC (PN)/76 dated 17-1-1976 and such other Public Notices that may be issued from time to time hereafter.

8. Our liability under this and postal guarantee is restricted to Rs. (plus interest and commission & postal charges, if any, not expected to exceed one per cent of the guaranteed amount) and this guarantee shall remain in force till the day\* of (month) 19. Unless claims under this guarantee are made in writing within eighteen months of this date and unless a suit or action to enforce these claims is commenced within another eighteen months thereafter, i.e. unto, all Government's rights under this guarantee shall be forfeited and we shall be relieved and discharged from all liability thereunder.

Dated, the day of  
For (Bank)

Accepted for and on behalf of  
the President of India by

Shri  
Name and Designation

Signatures.....

\*This date shall be arrived at by adding one month to the date by which all payments to the suppliers are expected to be finalised.

NOTE.—The value of the stamped paper on which this guarantee is to be executed, is to be adjudicated by the Collector of Stamps, under Section 31 of the Indian Stamps Act.

(i) The rate of exchange to be adopted for working out the amount of the Bank guarantee should be the same as indicated in the Import Licence.

### ANNEXURE III

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi the

The Manager,  
Austrian National Bank,  
Otto Waagner Platz 3,  
Vienna—IV AUSTRIA).

Dear Sir,

Austrian Capital Goods Credit, 1983 Letter of Authority No.

We are to invite a reference to the order No. dated the placed by M/s. on M/s. for Austrian Schillings on account of. We hereby authorise you to pay to M/s. a sum not exceeding Austrian Schillings (Austrian Schillings)

in accordance with the terms and conditions stipulated in the enclosed Statement. It is requested that the invoices, shipping and other documents presented by M/s. be de-patched direct to the (Bank).

2. The amount referred to in paragraph 1 above will be repaid by the Government of India in accordance with the terms and conditions laid down in Articles 2 & 3 of the Agreement dated 4th October, 1983 between the Government of India and the Austrian Federal Government.

3. The details of payments made against this Letter of Authority may kindly be intimated to the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Office of the Controller of Aid Accounts and Audit, UCO Bank Building, New Delhi-1 to whom the debit advices alongwith a copy of the shipping and other stipulated documents should be sent.

4. This authority will remain valid upto day of 19.

Yours faithfully,

Under Secretary to the Government of India, Copy forwarded for information and necessary action to :—

1. M/s. (Bank). The import under reference is covered by Import Licence No. dated for Rs. This has also reference to your Guarantee No. dated for Rs. This Letter of Authority is issued under the Licensing Conditions governing the imports under Austrian Capital Goods Credit, 1983. Please refer to those Licensing Conditions and connected Public Notices orders etc. and take appropriate action concerning the import/foreign payments. In this connection, specific attention is invited to the following requirements :—

- (i) As and when each payment is made to the supplier, please arrange to deposit to the Government account, the rupee equivalent of that payment (worked out at the composite rate of exchange, applicable for the date of payment to the supplier), together with interest at rates prescribed from time to time. The present rates of interest, as prescribed in Public Notices No. 31-ITC (PN)/83 dated 10-8-83 and No. 35-ITC (PN)/83 dated 26-8-83 are 12 per cent for the first 30 days commencing from the date of payment to the supplier, and for the balance No. of days, 18 per cent upto and including the date of deposit.
- (ii) For each foreign disbursement made under this Letter of Authority, the rupee deposit is to be made either at the Reserve Bank of India, New Delhi or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi using a separate challan in the form prescribed in Public Notice No. 74-ITC (PN)/74 dated 31-5-74.
- (iii) For each payment made to the supplier, the original documents (Commercial invoice, bank guarantees, performance guarantees, negotiable sets of shipping documents etc.) should be released to the importer only after settling the government dues as indicated above.
- (iv) As authorised Dealer in Foreign Exchange, your Bank's duties and responsibilities are prescribed in various A.D. circulars of the Reserve Bank of India. Specific reference in this regard is invited to circular No. 22 dated 18-6-1977.
- (v) Please acknowledge receipt of this communication to the undersigned as well as to the Controller of Aid Accounts and Audit Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, New Delhi-1.

2. M/s. This has reference to their application/letter No. dated and contract/purchase order No. Their specific attention is invited to the instructions contained in (i) above. It may please be noted that the importer is also responsible for ensuring that the Government dues are settled correctly, completely and promptly.

3. Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, New Delhi-110001. The Bank Guarantee No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_ for Rs. \_\_\_\_\_ issued by \_\_\_\_\_ (Bank) in original, one copy of Import Licence No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_ for Rs. \_\_\_\_\_, one copy of foreign exchange release Sanction No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_ for Rs. \_\_\_\_\_ issue by \_\_\_\_\_ (Ministry and one set of contract/purchase order No. are enclosed herewith.

4.

5.

Under Secretary to the Government of India.

## (ANNEXURE IV)

Report to be furnished to the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance on completion of the Imports/ payments under each Letter of Authority.

1. Name and full address of the importer/licencee
2. The Import Licence Number, dated and value.
3. Number, date and amount of the guarantee furnished (in case of private sector imports).
4. Particulars of the Letter of Authority issued by the Ministry of Finance;
  - (a) Number and date of the Letter of Authority.
  - (b) Amount of the Letter of Authority (in Austrian Schillings).

## 5. Particulars of Imports effected and rupee deposits made.

- (a) Name of Supplier(s).
- (b) Amount in Austrian Schillings actually paid to the Supplier(s) mentioned at (a) above.
- (c) Date of payment to the supplier by the Austrian National Bank.
- (d) Amount of rupee deposit :—
  - (i) Rupee equivalent of Austrian Schillings amount paid to the supplier @ 1 Austrian Schilling —Rs. \_\_\_\_\_.
  - (ii) Interest paid.
  - (iii) Period for which the interest has been calculated from \_\_\_\_\_ to \_\_\_\_\_.
  - (iv) Total deposit made.
  - (v) Date and place of deposit.
  - (vi) Number and date of the Treasury Challan (to be enclosed). If the Treasury Challan has already been sent, reference to the letter number and date with which it was sent may be quoted.
  - (vii) If the rupee deposit mentioned in (d)(iv) above was made by means of Demand Draft, the number, date, and amount of the draft and particulars of your letter with which it was sent.

6. Amount utilised and balance unutilised (in Austrian Schillings) against each Letter of Authority.

7. A certificate that the balance indicated in 6 above has not been utilised and no shipment has been made thereof, and the same may be treated as lapsed.

(Authorised Signatures)

